Vol 5 Issue 7 April 2016

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad.

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

ISSN: 2249-894X Impact Factor : 3.1402(UIF) Volume - 5 | Issue - 7 | April - 2016

Review Of Research

''भूकम्प प्रभावित विधवा महिलाओं की आर्थिक स्थिति का समाज शास्त्रीय अध्ययन'' (गुजरात राज्य के भुज तालुका के सन्दर्भ में)

Sadik Mohammad Khan
Ph.D., NET, Researcher of Sociology

सारांश –

गुजरात राज्य का भुज तालुका पूर्वकाल से ही भूकंप ग्रस्त क्षेत्रों की सूची में दर्ज है। जनवरी 2001 में आया भूकंप महाविनाशक प्राकृतिक त्रासदी का उदाहरण है। जिसमें 18600 लोग मारे गये, 167000 लोग घायल हो गये, 4 लाख मकान ध्वस्त हो गये। इसके अलावा 22000 करोड़ रूपये का आर्थिक नुकसान हुआ। इस आपदा में विधवा हुई महिलाओं की आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना शोध–पत्र का केन्द्र बिन्दु है। जिसमें शोधार्थी द्वारा उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति का प्रयोग करके 50 विधवा महिला परिवारों का चयन किया गया। अवलोकन तथा अनुसूची के माध्यम से प्राथमिक आँकड़ों का संकलन किया गया जिसमें उनके आय का साधन (भूकंप पूर्व एवं पश्चात्), वार्षिक आय, विधवा पेंशन, पुनर्वास आवंटन आदि मुद्दों को सम्मिलित किया गया। 50: महिलाएँ मजदूरी, 20: घरेलु कामकाज, 4% उम्र ज्यादा होने के कारण काम नहीं कर पाना पाया गया। 18% महिलाओं की विधवा पेंशन नहीं है, जिसका कारण नाम नहीं जोड़ना बताया। इन विधवा महिलाओं को पुनर्वास में सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों ने भरपूर सहयोग प्रदान किया है। शोध पत्र के निष्कर्ष में कहा जा सकता है। भुज तालुका के गांवों एवं भुज शहर की कॉलोनियों में विधवा महिलाओं खासकर भूकंप प्रभावित महिलाओं की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है।

जिसमें भुज तालुका के गांवों के साथ–साथ शहर की कॉलोनियों को भी सम्मिलित किया गया है।

प्रस्तावना –

भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक आबादी वाला देश है, जिसकी जनसंख्या सन् 2011 की जनगणना के अनुसार 1,21,01,93,422 है। जिसमें महिला जनसंख्या 61,43,97,079 एवं पुरुष जनसंख्या 6,55,875,026 है, तथा लिगांनुपात 940 महिलाएँ प्रति हजार पुरुषों पर है। इसका क्षैत्रफल 32,87,263 वर्ग कि.मी. है। भारत भूमि अनेक विभिन्नताएँ लिये हुए है। जिसमें धर्म, जाति, संस्कृति, भाषा, वेशभूषा, कार्यप्रणाली, रीति–रिवाज, गतिविधियाँ अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इसके साथ ही साथ भौतिक एवं भौगोलिक विभिन्नताएँ भी दृष्टिगोचर होती हैं, जिसमें पर्वत, पठार, मैदान, नदी, सागर, वन, मृदा

आदि प्रमुख है। भारत में समशीतोष्ण जलवायु पाई जाती है, जिसके कारण वर्षाऋतु, शीतऋतु, ग्रीष्म ऋतु पाई जाती है। भारत जैसे देश के इतने विशाल जनसमुदाय एवं प्राकृतिक तंत्र को अनेकों बार आपदाओं–विपदाओं का सामना करना पड़ता है। जिसमें मानव जनित एवं प्राकृतिक दोनों आपदाएँ मानव समुदाय को खतरा पैदा करती है। बाढ़, भूकम्प, भूस्खलन,आगजनी,औद्योगिक संकट, सुनामी आदि ऐसी घटनाएँ है, जिनसे भारत में अनेकों जनसमुदाय नष्ट हो गये है। इन आपदाओं से लोग विकलांग हो जाते है, बच्चे अनाथ हो जाते है। महिलाएँ विधवा हो जाती है, देश की अर्थव्यवस्था बिगड़ जाती है। गुजरात राज्य में आया भूकंप इसका उदाहरण है। गुजरात राज्य भारत के पश्चिमी तट पर स्थित है। इसके उत्तर में पाकिस्तान और उत्तर–पूर्व में राजस्थान है। 2011 की जनगणना के अनुसार गुजरात राज्य की जनसंख्या 60383628 है। मुख्य भाषा गुजराती है। जिलो की संख्या 26 है। इस राज्य का भुज तालुका जो कि कच्छ जिले में स्थित है कच्छ का मुख्यालय है। कच्छ कोई शहर न होकर एक सीमा के तहत् भू–भाग का नाम है। इसका क्षैत्रफल 45612 वर्ग कि.मी. है। ऐसा माना जाता है कि कच्छ नाम जिले की कछुए जैसी आकृति के कारण पड़ा है। प्राचीन महानगर धोलावीरा, जहाँ पुरातन सिंधु संस्कृति विकसित हुई थी, कच्छ जिले में स्थित है। भुज तालुका कच्छ के प्रशासनिक संकुल का केन्द्र है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार इस तालुका की कुल

जनसंख्या 187279 है, जिसमें 98124 पुरुष तथा 89065 महिलाएँ है। बच्चों की जनसंख्या 20715 है, जिसमें 10854 बालक एवं 9861 बालिकाएँ है जो 1 से 6 वर्ष की उम्र के है। लिंगानुपात प्रति हजार पुरुषों पर 907 महिलाएँ है। औसत साक्षरता दर 87 प्रतिशत है। जिसमें 91.881 प्रतिशत पुरुष साक्षरता एवं 81.51 महिलाएँ साक्षर है। भुज तालुका में 160 गांव स्थित है।

भुज शहर की जनसंख्या सन् 2011 की जनगणना के अनुसार 147123 है जिसमें 77,900 पुरुष तथा 69223 महिलाएँ है। औसत साक्षरता दर 87.90 प्रतिशत है, जिसमें 92.29 प्रतिशत पुरुष एवं 82.10 प्रतिशत महिलाएँ साक्षर है। लिंगानुपात प्रतिहजार पुरुषों पर 889 महिलाएँ है।

गुजरात राज्य पूर्वकाल से ही भूकंप ग्रस्त क्षैत्रों की सूची में दर्ज है, भारत में सन् 1819 से 2001 तक आने वाले सबसे तीव्रता वाले 21 भूकम्पों में से तीन भूकंप गुजरात में आये जो कि 16 जून 1919, 21 जुलाई 1956, 26 जनवरी 2001 में आये थे। इनकी तीव्रता क्रमशः 8.0 (कच्छ), 7.0 (अंजार), 6.9 (भुज) रिक्टर स्केल थी। 26 जनवरी 2001 को सुबह 8.46 मिनट पर आया भूकंप 185 वर्ष के दर्ज इतिहास में भूस्तरीय शास्त्र का सबसे बड़ा भूकंप था, जो कि भारत के लिये सबसे विनाशकारी, भूगर्भिक आपदा के रूप में दर्ज हो गया।

भारत सरकार की आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार 18600 लोग मारे गये 167000 लोग घायल हो गये, 4 लाख मकान ध्वस्त हो गये यह संख्या अनुमानित थी। इसके अलावा 22000 कराड़े रूपये का आर्थिक नुकसान हुआ। इस भूकम्प से गुजरात के 22 जिले प्रभावित हुये।

इस क्रम में एक पहलु महिलाओं का आता है जिसके सम्बन्ध में विस्तृत दृष्टिपात करने पर पता चलता है कि नारी का मानव सृष्टि में ही नहीं वरन् समाज निर्माण में भी महत्वपूर्ण स्थान है। नारी और पुरुष मिलकर परिवार का निर्माण करते है। अनेक परिवार से समुदाय और अनेक समुदायों से मिलकर एक समाज निर्मित होता है। यदि हम विश्व इतिहास पर दृष्टि डालते है तो हमें ज्ञात होता है कि संस्कृति की नींव डालने का श्रेय सर्वप्रथम नारी को ही दिया जाता है। परंतु नारी की प्रस्थिति सभी समाज में एक समान नहीं है। इसमें भी विधवा महिला पक्ष ज्यादा आहत हुआ है। गुजरात की इस भयावह त्रासदी से मानव समुदाय के सभी पक्ष प्रभावित हुये। जिसमें एक पक्ष विधवा महिला के रूप में था। उनके सामने अनेको समस्याएँ मूँह बाये खड़ी थी। जिसमें खाने–पीने, आवास की, कपड़ो की, भौतिक तथा मानसिक दुख तथा प्रताड़ना की समस्याएँ प्रमुख है। इन विधवा महिलाओं की संख्या के बारे में भारत सरकार एवं गुजरात सरकार आज तक सही आंकलन नहीं कर पायी । यही कारण है कि इन महिलाओं को मूलभूत सुविधाएँ तो दूर इनका विधवा सूची में नाम तक दर्ज नहीं हो पाया है। शासन द्वारा इन महिलाओं को व्यवस्था प्रदान कि गई। इसके अलावा गैर–सरकारी संगठनों जैसे बोचासन वासी अक्षर पुरुषोत्तय स्वामी नारायण संस्था, कच्च नवनिर्माण अभियान, एकलनारी मंच भुज, ऑक्स फेम इन अर्थ क्वैक, उन्नति आर्गेनाइजेशन, केयर एक्सटेंशन, रेडक्रॉस, एनएसएस ने भी पुनर्वास कार्यक्रम में अपना योगदान दिया है।

शोध समस्या का चयन – प्रत्येक अनुसंधान किसी प्रश्न अथवा समस्या को लेकर प्रारम्भ किया जाता है। अतः क्यों, कब, कैसे और कौन प्रश्नों के उत्तर वैज्ञानिक प्रणाली द्वारा प्राप्त किये जाते है। एक शोधार्थी के रूप में मध्यप्रदेश से 800 कि.मी. दूर गुजरात राज्य के भुज तालुका में जाकर भूकंप पीड़ित, विशेषकर विधवा महिलाओं के पुनर्वास का अध्ययन, शासन की भागीदारी का अध्ययन तथा विधवा महिलाओं की भूकंप पूर्व तथा पश्चात् सामाजिक स्थिति का अध्ययन निश्चित ही चुनौती पूर्ण विषय था। अतः यह समस्या शोधार्थी द्वारा अपने शोध हेतु चुनी गयी।

अध्ययन का महत्व – इस अध्ययन में विधवा हुई उन महिलाओं को ध्यानाकर्षण का केन्द्र बनाया गया। जिनका भूकंप के कारण आशियाना उजड गया है। एक शोधार्थी होने के नाते हमारा दायित्व उनके दर्द को महसूस करना एवं वास्तविक अध्ययन करना है। अतः यह शोध महत्वपूर्ण बन जाता है।

उद्देश्य –भूकंप प्रभावित विधवा महिलाओं की भूकंप पूर्व सामाजिक स्थिति का अध्ययनन करना।
भूकंप प्रभावित विधवा महिलाओं की भूकंप के पश्चात् सामाजिक स्थिति का अध्ययन करना।
भूकंप प्रभावित विधवा महिलाओं की वर्तमान पुनर्वास स्थिति का अध्ययन करना।
सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं एवं योजनाओं का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि : –

अध्ययन का क्षेत्र – गुजरात राज्य का भुज तालुका अध्ययन का क्षेत्र है।
अध्ययन का समग्र – भुज शहर की कॉलोनियाँ एवं तालुका के गांव अध्ययन का समग्र है।
अध्ययन की ईकाई– भूकंप में विधवा हुई महिलाएँ अध्ययन की ईकाई है।
निदर्शन विधि – उद्देश्य पूर्ण निदर्शन पद्धति से 50 विधवा महिला परिवारों का चयन किया गया है।
प्राथमिक आँकड़े – अवलोकन, साक्षात्कार, अनुसूची, समूह चर्चा द्वारा प्राथमिक आँकड़े संकलित किये गये है।
द्वितीयक आँकड़े – पुस्तक, जर्नल, स्वयं सेवी संगठन, सरकारी कार्यालयों, इंटरनेट, शोध पत्र आदि से द्वितीयक आँकड़ों का संकलन किया गया है।
यंत्र एवं तकनीक– प्राथमिक आँकड़ो का संकलन कर सारणीयन कर निष्कर्ष पर पहुँचा गया है।

भूकम्प प्रभावित विधवा महिलाओं की आर्थिक स्थिति का अध्ययन

आर्थिक स्थिति के मजबूत होने से सामाजिक स्थिति दृढ़ होती है। विधवा महिलाओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती आय के साधन की होती है। सम्पन्न परिवारों की महिलाएँ तो जीवन–यापन करने में सक्षम होती है परन्तु उन महिलाओं के सामने समस्याऐं होती है। जो मजदुर

वर्ग, गरीब वर्ग से सम्बन्धित है। इस बिन्दु पर शोधार्थी द्वारा अवलोकन एवं अनुसूची के माध्यम से प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने का भरसक प्रयास किया गया जिससे उनकी वास्तविक स्थिति का ज्ञान हो सके। शोधार्थी ने अध्ययन में पाया कि व्यवसाय, आय का स्त्रोत , पेंशन इस तत्व पर सीधे असर डालता है अतः इन्हीं बिन्दुओं पर निम्नलिखित विस्तारित लेख है।

व्यवसाय का साधन

क्र	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	मजदुरी	25	50
2	नौकरी	10	20
3	घरेलु	13	26
4	कुछ नही	09	04
	योग	50	100

व्यवसाय के बारे में शोधार्थी द्वारा पूछे जाने पर 50 प्रतिशत महिलाओं ने मजदूरी करना बताया। 20 प्रतिशत महिलाएँ उद्योग, दफ्तर में नौकरी करने वाली तथा 26 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि वे घर का काम–काज करती है।

04 प्रतिशत महिलाएँ ऐसी थी जो उम्र ज्यादा होने के कारण या अन्य कारणों जैसे विकलांग, बीमारी के कारण कार्य नही कर पाती है।

भूकंप से पूर्व आय का स्त्रोत

क्र	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	मजदुरी	26	52
2	नौकरी	14	28
3	व्यापार	04	8
4	उद्योग में कार्य	06	12
	योग	50	100

भूकंप के पश्चात् (वर्तमान) आय का स्त्रोत

क्र	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	मजदुरी	17	34
2	नौकरी	19	38
3	व्यापार	02	04
4	उद्योग में कार्य	11	22
5	कृषि	01	02
	योग	50	100

परिवार की वार्षिक आय भूकंप पूर्व

क्र	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	10 हजार से कम	10	20
2	10 से 30 हजार	25	50
3	30 से 50 हजार	12.5	05
4	50 से अधिक	2.5	5
	योग	50	100

परिवार की वार्षिक आय (भूकम्प पश्चात्) वर्तमान में

क्र	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	10 हजार से कम	15	30
2	10 से 30 हजार	25	50
3	30 से 50 हजार	05	10
4	50 से अधिक	05	10
	योग	50	100

शोधार्थी द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर में 52 प्रतिशत महिलाऐं ऐसी थी जो मजदूरी करती थी। किन्तु भूकंप के पश्चात् शासन की योजनाओं एवं सहायता राशि तथा अन्य सहायता की वजह से यह प्रतिशत घटकर 34 प्रतिशत रह गया । नौकरी करने वाली महिलाओं का प्रतिशत 28 प्रतिशत से बढ़कर 38 प्रतिशत हो गया किन्तु व्यापारिक प्रतिष्ठानों से सम्बन्ध रखने वाली महिलाओं ने बताया कि भूकंप के कारण व्यवसाय चौपट हो गया। जिससे व्यापार करने वालो में 4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। किन्तु धीरे–धीरे यह प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, कुछ महिलाएँ कृषि कार्य में भी संलग्न पायी गयी।

परिवार की समस्त स्त्रोतों से आय के बारे में शोधार्थी द्वारा पूछे जाने पर 20 प्रतिशत विधवा महिलाओं ने भूकम्प पूर्व 10 हजार से कम बताया किन्तु वर्तमान में 10 हजार से कम बताने वालों में केवल 10 प्रतिशत महिलाएँ थी। भूकम्प पूर्व 10 से 30 हजार 50 प्रतिशत महिलाओं कि पारिवारिक वार्षिक आय थी। किन्तु इस कोटि गुणांक में 30 प्रतिशत महिलाओं ने अपने आप को बताया।

30 हजार से 50 हजार वार्षिक आय को 30 प्रतिशत महिलाओं ने भूकम्प पूर्व बताया वहीं इसी आँकड़े को 50 प्रतिशत महिलाओं ने वर्तमान आय माना। इसमें एक बिन्दु मुख्य रूप से सामने आया कि 50 हजार से अधिक वार्षिक आय को भूकंप पूर्व किसी महिला ने नहीं माना परन्तु 10 प्रतिशत महिलाओं ने अपनी वार्षिक आय वर्तमान में 50 हजार से अधिक माना।

अतः स्पष्ट होता है कि बदलते हुए परिवेश औद्योगीकरण, मजदूरी का बढ़ना, शासन अनुदान, शिक्षा के प्रसार के कारण आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान हुई है।

विधवा पेंशन की स्थिति (समय के अनुसार)

क्र	विकल्प (अवधि)	आवृत्ति	प्रतिशत
1	3 वर्ष से 5 वर्ष	15	30
2	5 से 10 वर्ष	18	36
3	10 से 12 वर्ष	08	16
4	नगण्य	09	18
	योग	50	100

विधवा पेंशन राशि के अनुसार प्रतिशत

क्र	विकल्प (राशि)	आवृत्ति	प्रतिशत
1	400 से 5000 रू.	34	68
2	300 –400	07	14
3	नगण्य नही मिलती	09	18
	योग	50	100

विधवा पेंशन नही मिलने के कारण

क्र	विकल्प (राशि)	आवृत्ति	प्रतिशत
1	नाम नहीं जुड़ा	31	62
2	रिश्वत खोरी	06	12
3	भेदभाव	04	08
4	वर्तमान सर्वे	09	18
	योग	50	100

विधवा पेंशन राशि के बारे में शोधार्थी द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर में 18 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उन्हें पेंशन नही मिलती है। जिसका कारण उन्होंने 62 प्रतिशत नाम नहीं जोड़ना तथा इस नाम जोड़ने का कारण 12 प्रतिशत महिलाओं ने रिश्वतखोरी 8 प्रतिशत महिलाओं ने भेदभाव बताया।

18 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि वर्तमान में पेंशन हेतु सर्वे किया गया है। अतः उपरोक्त तालिकाओं से शासन तंत्र में पर्याप्त लापरवाही तथा भ्रष्टाचार देखने को मिलता है। इन महिलाओं ने व्यक्तिगत तोर पर यह बताया कि हमें दफ्तर के चक्कर काटने में समय व्यतीत हो जाता है। जिस कारण हम रोजगार पर भी नही जा सकते है। अतः हमे विधवा पेंशन मिलनी चाहिए।

निष्कर्ष :–

उपरोक्त शोध पत्र का निष्कर्ष निम्नानुसार है :–

• विधवा महिलाओं की आर्थिक स्थिति का मुल्यांकन करने पर 50 प्रतिशत महिलाएं मजदूरी, 20 प्रतिशत नौकरी, 26 प्रतिशत घरेलु कामकाज करने वाली महिलाएँ पाई गयी। 4 महिलाओं ने हम उम्र ज्यादा होने या शारीरिक कारणों से काम नहीं करती है। भूकंप से पूर्व आय के स्त्रोत में पूछने पर 52 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि वे मजदूरी करती है। वर्तमान में यह प्रतिशत कम पाया गया। परंतु नौकरी का प्रतिशत भूकंप से पूर्व 28 प्रतिशत था, जो वर्तमान में 38 प्रतिशत अर्थात् 10 प्रतिशत बढोत्तरी देखी गयी। अतः स्पष्ट होता है कि बदलते हुए परिवेश शासन का अनुदान, शिक्षा का बढ़ता दायरा, औद्योगिकरण के कारण मजदूरी बढ़ने के कारण आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान हुई है।

• विधवा पेंशन की स्थिति में 18 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उन्हें पेंशन नहीं मिलती है। जिसका कारण 62 प्रतिशत महिलाओं ने नाम नहीं जोड़ना बताया इसका कारण 12 प्रतिशत महिलाओं रिश्वत खोरी 8 प्रतिशत ने भेदभाव बताया तथा 18 प्रतिशत महिलाओं ने बताया अभी सर्वे किया गया है। शोधार्थी ने व्यक्तिगत तोर पर यह अनुभव किया कि उत्तरदाताओं को अफसरों के दफ्तर में चक्कर काटने मे ही समय व्यतीत हो जाता है।

• भूकंप में टुट हुए मकानों के पुनर्वास की योजना में आपदा प्रबंधन विभाग, गैर सरकारी संगठनों, समाजसेवी संगठनों, धार्मिक संगठनों ने भरपुर सहयोग प्रदान किया है। इसमें तुरंत सुविधाओं के रूप में शुरू में चद्दर के टीन शेड के बनाये हुए मकानों में पुनर्वास दिया। 2 या 3 महीने के बाद नया पुनर्वास दिया गया। सबसे प्रमुख बात यह सामने आयी कि विधवा महिलाओं को अलग से कोई सुविधा नहीं दी गयी। केवल सदस्य मृत्यु पर अनुदान राशि दी गयी।

• भूज तालुका के अनेक गांव पुरी तरह से ध्वस्त हो गये गढा, भुजोडी, रूद्राणी, डोही, लोखंड, राईधामपर का अध्ययन किया गया जिसमें अपार जन–धन की हानि हुई शासन ने प्रायवेट कम्पनियों को ठेका दिया माफियाओं ने इनसे सम्पर्क कर खुब पैसा कमाया।

• आपदा प्रबंधन ने मकानों को टुटने तथा उनकों राहत देने की जो श्रेणियों G 1 से G 5 तक बनाई उनमें अनियमितताएं पाई गयी।

• केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के बीच पर्याप्त मतभेद के कारण योजनाओं के क्रियान्वयन में कमियाँ पाई गयी जैसे रोजगार गारन्टी,, अंत्योदय, अनुदान राशि, छात्रवृत्ति (बच्चों को), विधवा पेंशन आदि में भिन्नता।

सुझाव :–

• भुकम्प ग्रस्त क्षेत्रों में विधवा महिलाओं की पेंशन राशि बढ़ाई जाना चाहिए। जिनसे वृद्धावस्था प्राप्त कर चुकी महिलाओं को जीवन–यापन में कठिनाई नहीं होगी।

• बेसहारा विधवा महिलाओं हेतु कार्य कर रही संस्था एकल नारी मंच को शासन द्वारा सहयोग प्रदान कर विधवा आश्रम खोलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

• विधवा महिलाओं को रोजगार हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सिलाई, कढाई बुनाई, रेसीपी, आदि के प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाने चाहिए।

• अंतर्राष्ट्रीय सहायता सीधी हितग्राही तक पहुंचाया जाए जिससे बिचौलियों की समाप्ति हो जाए।

• भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में बहुमंजिला इमारतों के बनाने पर रोक लगा देना चाहिए। जिससे जन–धन की हानि की संभावना कम हो जाती है।

• विधवा होने पर महिलाओं को समाज में स्थापित करने हेतु स्वयं के स्वामित्व वाले आवास उपलब्ध कराने हेतु कारगर योजना बनाया जाना आवश्यक है।

• व्यवसाय शुरू करने के लिए इन महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराना चाहिए तथा उसमें छुट होना चाहिए।

• विधवा महिलाओं के लिये चलाई जा रही शासकीय योजनाओं के प्रचार–प्रसार की उत्तम व्यवस्था की जानी चाहिए। जिससे ये महिलाएं उनके बारे में जान सकें।

• अध्ययन यह बात सामने आयी थी कि विधवा महिलाओं को अशुभ माना जाता है। इस मान्यता के विरूद्ध कठोर कानून बनाना चाहिए। तथा इन महिलाओं के मनोबल एवं आत्मबल की उन्नति के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. सिंह. सविन्द्र. : ''पर्यावरण भूगोल'',(2012), प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पेज न. 350–351
2. हुसैन. माजिद., सिंह. रमेश : ''भारत का भूगोल'', (2012), टाटा मेंकग्रा हिल, नई दिल्ली, पेज न. 17.1
3. तिवारी. आर.सी., : ''भारत का भूगोल'', (2012), प्रवालिका प्रकाशन, इलाहाबाद, पेज न. 606
4. पाण्डेय तेजस्कर एवं पाण्डेय, ओजस्कर (2011) ''समाज कार्य'' भारत बुक सेंटर, लखनऊ
5. त्रिवेदी मधुसूदन (2003) '' सामाजिक नृ–निज्ञान'' राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
6. नीतिमार्ग पत्रिका, अप्रैल, (2011), ''आपदाओं को आमंत्रण'', अंक 2, भोपाल, पेज न. 8

7. www.ngdc.noaa.gov.
8. www.vibrantgujrat.com/kutch,district
9. www.m7.7 bhujrepublicday earthquake 2001.com
10. www. rehibilitationpolicy in gujrat.com
11. 2001 gujrat earthquake.com

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org